# नज़रिया की आवाज़ !

Bishmila Hujre

Jubeda Attar

Sayera Attar

Jahida Pakhali

Tabassum Mulla

Shabnam Mujawar

**Pakija Godar**

***Shahin Makandar***

2009 में मीराज में हिन्दू- मुस्लिम के बीच दंगे हुए थे, और उसमें मुसलमानों का बहुत नुक्सान हुआ | इसके बाद काफी दिन कर्फ्यू रहा | यह सब देख के, मुस्लमान औरतों को एकत्रित होने के ज़रुरत लगी, और संग्राम के साथ मिलकर हमने नज़रिया कि शुरुवात की | धीरे धीरे करके हमने औरतों को जोड़ना शुरू करा, और शुरुवात में हमने जिस्मानी मुद्दों पे चर्चा करी | इन चर्चाओं से यह बात सामने आई कि मुस्लमान औरतों को अस्पताल जाने में बहुत तकलीफ़ होती है, क्यूंकि डॉक्टर ज़्यादातर मर्द होता है | ठीक इसी तरह मुददें खुलते चले गए, और आजकल हम शादी, तलाक़, जैसी चीज़ों पे काम करते हैं |
इस साल की शुरुवात में सईदा हमीद ने हमें 'इस्लाम में औरतों की हैसियत' पर ट्रेनिंग दी, और हमारी इस्लाम पर समझ बेहतर हुई |

इस साल हमने सिर्फ़ औरतों की इफ़्तार भी मनाई | ऐसा सांगली में पहली बार हुआ, हम सब ने साथ मिलकर खूब बातें कीं, काफ़ी अच्छा लगा |

हम यह जान चुके हैं कि औरतों को इस्लाम के दरमियाँ बहुत से हक़ हैं, जिनको मर्दों ने हमसे दूर रखा है, इसलिए अब हमने यह तह किया है कि हम अपनी समझ पक्की करेंगे, और औरतों तक यह समझ पहुचाएंगे और अपने हक़ छीन के लेंगे ! जमात के साथ काम करने में काफ़ी दिक्कतें आ रहीं हैं, क्यूंकि हम हर एक चीज़ को नारीवाद की सोच से परखतें हैं, पर हमने हार न मानने का ठान लिया है !